ECONOMICS TIMES N.D 25/9/18

सिंथेटिक रबड़ महंगा होने से टायर इंडस्ट्री पर बढ़ा प्रेशर

कृष्णकुमार पी के कोच्चि

सिंथेटिक रबड़ महंगा होने से टायर और रबड़ के अन्य प्रॉडक्ट्स बनाने वाली इंडस्ट्री की मुश्किलें बढ़ गई हैं। देश में पहले ही नेचुरल रबड़ की कमी है। देश में सिंथेटिक रबड़ की कई वेराइटी का इम्पोर्ट किया जाता है। सिंथेटिक रबड़ का इस्तेमाल टायर के साथ रबड़ के अन्य प्रॉडक्ट्स बनाने वाली इंडस्ट्री में भी बढ़ा है।

जेके टायर्स के वाइस प्रेसिडेंट (मैटीरियल्स), आशीष पांडे ने बताया, 'सॉल्यूशन SBR, क्लोरोब्यूटाइल और ब्रोमोब्यूटाइल जैसी सिंथेटिक रबड़ की वेराइटी का पूरी तरह इम्पोर्ट किया जाता है। रुपये में कमजोरी से इम्पोर्ट की कॉस्ट बढ़ी है और इससे हमारे मार्जिन पर दबाव बना है। हाई परफॉर्मेंस टायरों में सिंथेटिक रबड़ का अधिक इस्तेमाल होता है।'

उनका कहना था कि वर्ष की दूसरी छमाही में बेहतर प्रदर्शन की टायर इंडस्ट्री की उम्मीदों को रबड़ का बड़ी मात्रा में उत्पादन करने वाले केरल में बाढ़, रुपये में कमजोरी और क्रूड महंगा होने से झटका लगा है। पांडे ने बताया कि केरल में बाढ़ के कारण टायर इंडस्ट्री पहले ही नेचुरल रबड़ की कमी का सामना कर रही है।

इंडस्ट्री को अब नेचुरल रबड़ का अधिक इम्पोर्ट करना पड़ रहा है। सिंथेटिक रबड़ के महंगा होने से नॉन-टायर इंडस्ट्री को कॉस्ट में लगभग 8 पर्सेंट की वृद्धि होने का अनुमान है।

ऑल इंडिया रबड़ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, विक्रम मक्कड़ ने बताया, 'देश में सिंथेटिक रबड़ की बेसिक वेराइटी का कुछ उत्पादन होता है, लेकिन कन्वेयर बेल्ट और होज जैसे रबड़ प्रॉडक्ट्स में इस्तेमाल होने वाले स्पेशल सिंथेटिक रबड़ का इम्पोर्ट किया जाता है।'

नॉन-टायर इंडस्ट्री में नेचुरल रबड़ और सिंथेटिक रबड़ के इस्तेमाल की रेशियो 50:50 की है। अन्य देशों में सिंथेटिक रबड़ का अधिक इस्तेमाल होता है। भारत में सिंथेटिक रबड़ का प्रॉडक्शन 2017-18 में 48.7 पर्सेंट बढ़कर 3,31,221 टन रहा। यह इसकी खपत के मुकाबले आधे से कुछ अधिक है। देश में सिंथेटिक रबड़ का प्रॉडक्शन मुख्यतौर पर SBR और PBR वेराइटी तक सीमित है।

लेकिन ग्लोबल डिमांड कम होने के कारण SBR और PBR के प्राइसेज नहीं बढ़े हैं। सिंथेटिक रबड़ का इम्पोर्ट करने वाली मुंबई की एक फर्म के सीनियर एग्जिक्यूटिव ने बताया, 'चीन इसका सबसे बड़ा कंज्यूमर है और अमेरिका के साथ टैरिफ वॉर के कारण चीन की ओर से डिमांड अभी कम है।'

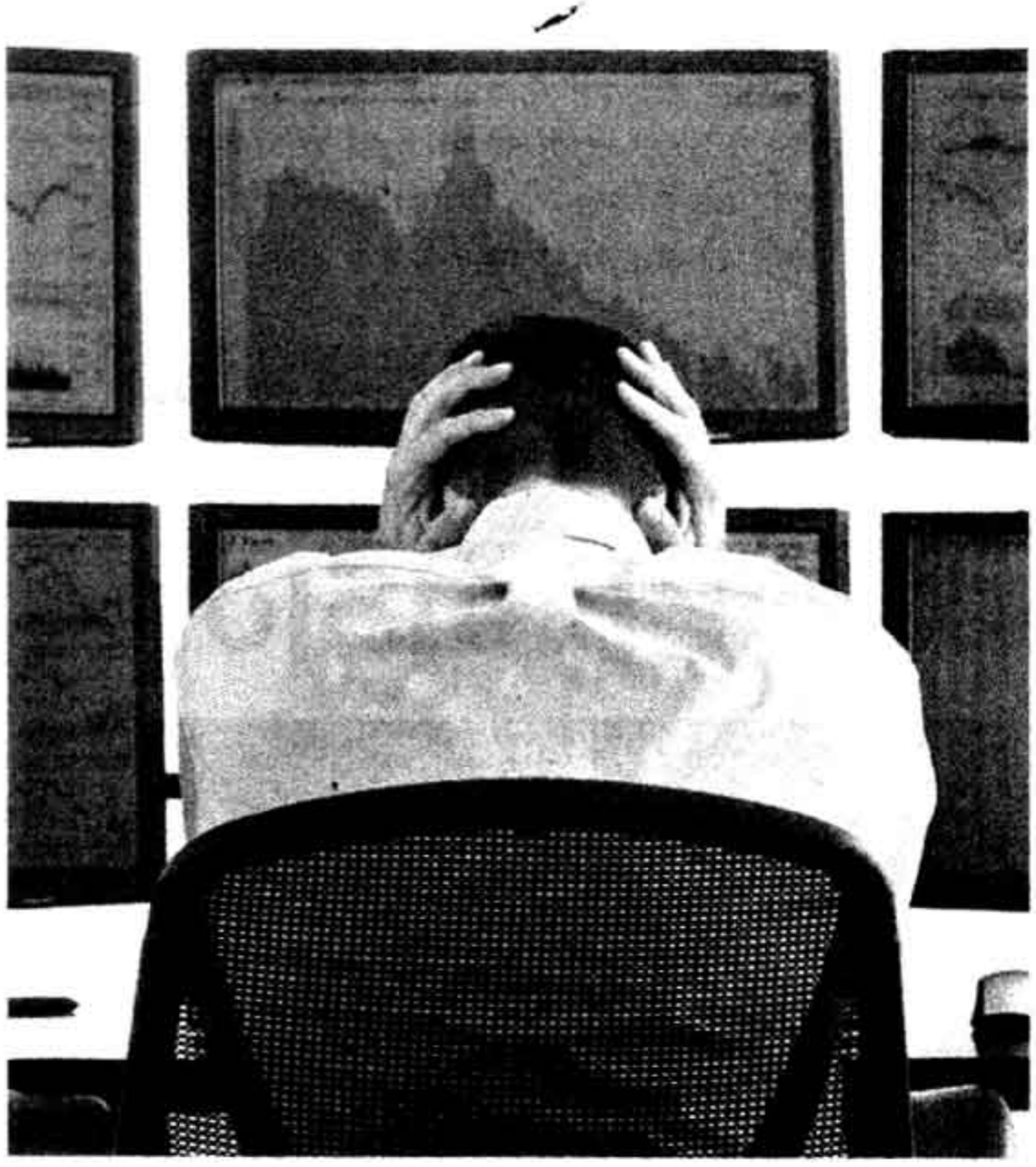

- भारत में सिंथेटिक रबड़ का प्रॉडक्शन 2017-18 में 48.7 पर्सेंट बढ़कर 3,31,221 टन रहा। यह इसकी खपत के मुकाबले आधे से कुछ अधिक है
- देश में सिंथेटिक रबड़ का प्रॉडक्शन मुख्यतौर पर SBR और PBR वेराइटी तक सीमित है